नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 237, पृष्ठ 12)
आषाढ़, शुक्ल द्वादशी संवत् 2083
रविवार, 26 जुलाई 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com
भोपाल संस्करण
भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

तापमान

भोपाल	23.0°	29.0°
इंदौर	24.0°	30.0°
जबलपुर	25.0°	32.0°
ग्वालियर	28.0°	34.0°
सागर	24.0°	30.0°

राजधानी... गोविंद नारायण सिंह के आदर्शों पर चलकर विकसित ..

व्यापार... अमेरिकी टैरिफ से भारत के 45 प्रतिशत निर्यात को ...

खेल... बिहार के सपूत झंडू कुमार ने कामनवेल्थ गेम्स में...

देश-विदेश... कनाडा में पंजाब की छात्रा की हत्या, साथ रह रहे ...

खास-खबरें

सोनिया गांधी के मतदाता सूची प्रकरण में फैसला सुरक्षित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली के राउज एवेन्यू न्यायालय ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने से संबंधित मामले में दायर पुनरीक्षण याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायालय ने निर्णय बाद में सुनाने की बात कही। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से पहले ही मतदाता सूची में दर्ज कर लिया गया था। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। हालांकि, संबंधित मजिस्ट्रेट न्यायालय ने प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को अस्वीकार कर दिया था।

न्यायालय के आदेश उल्लंघन पर तृणमूल के खिलाफ प्रकरण

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता: कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के कथित उल्लंघन के मामले में कोलकाता पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली के आयोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई 21 जुलाई को कैथेड्रल रोड पर आयोजित रैली के संबंध में की गई है। उच्च न्यायालय ने रैली के आयोजन के लिए अधिकतम 2,500 लोगों की उपस्थिति की अनुमति दी थी। साथ ही निर्देश दिया था कि सड़क की एक लेन यातायात के लिए हर समय खुली रखी जाए, ताकि आम लोगों की आवाजाही प्रभावित न हो। पुलिस के अनुसार रैली में निर्धारित सीमा से अधिक लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिसके कारण सड़क की दोनों लेन पूरी तरह बंद हो गईं। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन होने का आरोप लगा।

देश की एकता 'प्रधान', धर्मेंद्र का इस्तीफा

कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खत्म, प्रदर्शनकारियों से अपने-अपने घर लौटने की अपील

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: *देश की एकता को प्रधान मानते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे में उल्लेख किया है कि कुछ लोग छात्रों को गुमराह कर रहे हैं, लेकिन देश की एकता सबसे प्रमुख (प्रधान) है। प्रधान ने इस्तीफे को लेकर पत्र पोस्ट किया। दो पेज और 575 शब्दों में लिखे इस पत्र में प्रधान ने बाकी बातों के साथ दो जगह युवाओं को भ्रमित करने की बात भी लिखी। प्रधान का पत्र इस प्रकार है।*

'मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूँ। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। किंतु 3 मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी (कम्प्युटर-बेस्ड-टेस्ट) मोड में करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए होल ऑफ गवर्मेंट एप्रोच के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई। पहले ही दिन से, इसपर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति

से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ।

मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूँ तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूँ। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है। देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है। जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। साथ ही, मंत्रिपरिषद के अपने सभी सम्मानित सहयोगियों, मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी व्यक्तियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके साथ मुझे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं इसके लिए सदैव समर्पित रहूँगा। प्रभु श्रीजगन्नाथ जी के आशीर्वाद से मैं भविष्य में भी भारत माता, ओडिशा की जनता तथा देश के युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हर संभव रूप में स्वयं को समर्पित रखूँगा।

आपका, धर्मेंद्र प्रधान'

कॉकरोच जनता पार्टी ने मनाया जश्न, तीनों मांगें मानी

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को जंतर-मंतर पर चल रहे अपने आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा कर दी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास तथा आशुतोष रांका ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी।

सौरभ दास ने जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारियों से अपने-अपने घर लौटने की अपील की। आशुतोष रांका ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में सरकार के साथ तीन दौर की बातचीत हुई। उनके अनुसार आंदोलन से जुड़ी तीनों प्रमुख मांगें स्वीकार कर ली गई हैं।

इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज सभी प्रकरण वापस लेने तथा नीट परीक्षा से प्रभावित विद्यार्थियों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग शामिल थी।

इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने खुशी जताई। छात्रों ने एकता के समर्थन में नारे लगाए और राष्ट्रगान भी गाया।

इस दौरान नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण के बाद जान गंवाने वाले विद्यार्थियों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

एक करोड़ मुआवजा दें...

जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके ने कहा- मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगें हैं। कॉकरोच एक बार घुसता है, तो निकलता नहीं। जिन बच्चों ने सुसाइड किया, उनके परिवार को एक करोड़ मुआवजा मिले। पुलिसवालों पर एक्शन हो।

ये लोकतंत्र की जीत...

सोनम वांगचुक ने अस्पताल से किए पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, प्रत्यक्ष लोकतंत्र... सड़कों से मिली जीत। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और जेनजी को बधाई। देश के हर कोने से उठ खड़े होने के लिए सभी नागरिकों को धन्यवाद।

प्रधान ने 29 साल पहले किया था प्रदर्शन...

29 साल पहले पेपर लीक मुद्दे पर धर्मेन्द्र प्रधान ने भी विरोध प्रदर्शन किया था। प्रधान के सहयोगी रहे राउत ने बताया कि 1997 में ओडिशा में एक पेपर लीक हुआ था, तब प्रधान ने प्रदर्शन किया था। इसमें करीब 1,500 छात्र शामिल हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया था। धर्मेंद्र प्रधान को बुरी तरह पीटा गया था। उनके शरीर में कई जगह चोटें आई और फ्रैक्चर भी हुआ था।

प्रहलाद जोशी को प्रभार

शनिवार शाम करीब 8.15 बजे प्रधान के मंत्रालय का चार्ज प्रहलाद जोशी को दे दिया गया है। जोशी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ऊर्जा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं।

12 साल में पहली बार विरोध के बाद मंत्री का इस्तीफा

2014 में पहली बार मोदी सरकार बनने के बाद 12 साल के कार्यकाल में धर्मेंद्र प्रधान पहले मंत्री हैं, जिन्हें विरोध के चलते इस्तीफा देना पड़ा है। हालांकि, इससे पहले 2018 में विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर ने इस्तीफा दिया था, लेकिन तब दुनियाभर में 'मी टू' आंदोलन चल रहा था और अकबर पर पत्रकारिता के दिनों में यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे।

भारत ने जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज जीती

ईशान किशन और तिलक वर्मा के अर्धशतकों के बाद गेंदबाजों का दमदार प्रदर्शन

हरारे, एजेंसीः टी-20 विश्व कप 2026 के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी पहली टी-20 सीरीज जीत ली है।

हरारे में खेले गए दूसरे मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पांच विकेट पर 219 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से ईशान किशन ने 44 गेंदों में 81 रन की शानदार पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने नाबाद 60 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 25 रन का योगदान दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा आठ और वैभव सूर्यवंशी 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद ईशान किशन और श्रेयस अय्यर ने तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। श्रेयस के आउट होने के बाद ईशान किशन और तिलक वर्मा ने चौथे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। 220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। ब्रायन बेनेट ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने तीन विकेट हासिल किए। प्रिंस यादव और यश ठाकुर ने दो-दो विकेट लिए। यश ठाकुर ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला विकेट भी दर्ज किया। शानदार बल्लेबाजी के लिए ईशान किशन को मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

व्यक्ति के कर्म उसकी पहचान तय करते हैं: दिल्ली उच्च न्यायालय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी व्यक्ति का नाम उसके चरित्र या आचरण का निर्धारण नहीं करता। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि उत्तर भारत में बच्चों का नाम राम रखना सामान्य बात है और अनेक मुस्लिमों के नाम में मोहम्मद भी होता है, लेकिन केवल नाम के आधार पर किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि कलयुग में किसी का नाम रामचंदर होने मात्र से यह आवश्यक नहीं कि वह भगवान राम जैसा हो। यह टिप्पणी न्यायालय ने 13 वर्ष की एक बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्ध आरोपी रामचंदर को दोषमुक्त करते हुए की। अभियोजन पक्ष आरोपी के विरुद्ध आरोप संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा। गवाहों के बयानों में गंभीर विरोधाभास पाए गए, आरोपी को संदेह का लाभ दिया गया।

तीन माह में होंगे पेपर लीक व परीक्षा संबंधी मामलों के फैसलेः डॉ. यादव

- **मुख्यमंत्री ने कहा- विद्यार्थियों और शिक्षकों से जुड़े मामलों पर सरकार पूरी तरह संवेदनशील**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार शिक्षकों और विद्यार्थियों से जुड़े सभी विषयों को लेकर पूरी तरह गंभीर और संवेदनशील है।

शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश में भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में चार विशेष त्वरित न्यायालय स्थापित किए जाएंगे। इन न्यायालयों में प्रश्नपत्र लीक तथा परीक्षा संबंधी अन्य मामलों का निराकरण तीन माह के भीतर किया जाएगा। उन्होंने यह जानकारी शनिवार को विधानसभा परिसर स्थित केंद्रीय सभागार में मीडिया से चर्चा के दौरान दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। नीट प्रश्नपत्र लीक की जानकारी मिलते ही विशेष जांच दल का गठन किया गया, प्रकरण दर्ज हुए और आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। इसके बाद परीक्षा दोबारा आयोजित कराई गई। उन्होंने कहा कि भविष्य में परीक्षाएं अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से आयोजित हों, इसके लिए मानक कार्यप्रणाली तैयार कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 सबसे पहले मध्यप्रदेश में लागू की गई। पिछले ढाई वर्षों में तीन नए शासकीय विश्वविद्यालय प्रारंभ किए गए हैं। युवाओं और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना सरकार का दायित्व है और इस दिशा में लगातार निर्णय लिए जाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि देश में विश्वविद्यालयों और चिकित्सा शिक्षा की सीटों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

हूती विद्रोहियों का सऊदी रिफायरी पर हमला

- **जजान तेल शोधन संयंत्र को तीन मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा, नुकसान की पुष्टि शेष**

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसीः यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार को दावा किया कि उन्होंने सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको के तेल शोधन संयंत्र पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान शोधन संयंत्र सऊदी अरब का पांचवां सबसे बड़ा तेल शोधन केंद्र माना जाता है। इसकी प्रतिदिन लगभग चार लाख बैरल कच्चे तेल के प्रसंस्करण की क्षमता है और लाल सागर के तट पर स्थित होने के कारण यह देश के ऊर्जा तथा

तेल निर्यात तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि यह हमला सऊदी अरब द्वारा हाल ही में यमन में उनके ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों के जवाब में किया गया है। विद्रोहियों के अनुसार उन्होंने सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। हालांकि सऊदी सरकार और सऊदी अरामको की ओर से अब तक यह पुष्टि नहीं की गई है कि मिसाइलें सीधे शोधन संयंत्र पर गिरीं या इससे किसी प्रकार का बड़ा नुकसान हुआ है।

हमले के बाद सामाजिक माध्यमों पर शोधन संयंत्र क्षेत्र से आग और धुएं के कई वीडियो प्रसारित हुए हैं, लेकिन उनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच क्षेत्रीय तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

संबोधन *तर्क और आत्मीयता से ही युवाओं को सही दिशा दी जा सकती है, शक्ति के बल पर सबका नेतृत्व संभव नहीं...*

नई पीढ़ी से आदेश नहीं, संवाद जरूरी : मोहन भागवत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि आज की नई पीढ़ी सवाल पूछती है, इसलिए उन्हें आदेश देने के बजाय संवाद के माध्यम से समझाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बात के पीछे का तर्क स्पष्ट किया जाना चाहिए, तभी युवाओं को सही दिशा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मनमानी कर या केवल शक्ति के आधार पर सबका नेतृत्व करना संभव नहीं है।

मोहन भागवत शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित विश्व मांगल्य सभा के एक विचार गोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय के साथ समाज और परिवार की परिस्थितियां बदल गई हैं। पहले माता-पिता की बात को अंतिम माना जाता था और उस पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जाता था। उस समय श्रद्धा और विश्वास के कारण बहस की स्थिति कम होती थी, लेकिन अब नई पीढ़ी हर विषय पर तर्क जानना चाहती है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को अधिक अपनापन, समय और संवाद की आवश्यकता है। केवल निर्देश देकर उन्हें सही मार्ग पर नहीं लाया जा सकता। परिवारों और समाज को उनके साथ बैठकर बातचीत करनी होगी

तथा उनकी बातों को भी गंभीरता से सुनना होगा। संवाद के माध्यम से ही विश्वास का वातावरण बन सकता है और युवाओं को सकारात्मक दिशा मिल सकती है।

मोहन भागवत ने कहा कि आज आदेश देने के बजाय चर्चा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल निर्देश देने से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे, बल्कि जागरूकता उत्पन्न करना अधिक महत्वपूर्ण है। युवाओं को निर्णयों और विचारों के पीछे के कारण समझाने से उनमें समझ विकसित होगी और वे जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ सकेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में परिवारों के भीतर आपसी संवाद पहले की तुलना में कम हो गया है। ऐसे में बच्चों और युवाओं के साथ नियमित बातचीत करना आवश्यक है। परिवार और समाज यदि उन्हें पर्याप्त समय दें, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करें और उनकी भावनाओं को समझें, तो वे सही दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। उनके अनुसार नई पीढ़ी के साथ आत्मीयता, विश्वास और सतत संवाद ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।